

प्रेषक,

एस0एस0वल्दिया,
उप सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
खेल निदेशालय,
उत्तराखण्ड।

संस्कृति, पर्यटन एवं खेलकूद अनुभाग-2

देहरादून दिनांक : 01 नवम्बर, 2010

विषय :- वित्तीय वर्ष 2010-11 के आय-व्यय में प्राविधानित बजट अवमुक्त किए जाने के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-2812/बा0पत्रा0/2010-11 दिनांक-15-10-2010, तथा शासनादेश संख्या-442/VI-2/2010-21 (1)/2010 दिनांक-14-6-2010 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है, कि, वित्तीय वर्ष 2010-11 में खेल विभाग के अनुदान संख्या-11 के अन्तर्गत आयोजनेत्तर पक्ष में प्रथम अनुपूरक मांग के माध्यम से प्राविधानित रू0 1.00 लाख (रू0 एक लाख मात्र) की धनराशि निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अन्तर्गत आपके निर्वर्तन पर रखते हुए व्यय किए जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

i) उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबंध के साथ स्वीकृत की जाती है कि उक्त स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष आरहण/व्यय यथा आवश्यकता मितव्ययिता को ध्यान में रखकर मासिक व्यय की सारिणी बनाकर किया जायेगा, तथा इस सम्बंध में वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-187/XXVII (1)/2010 दिनांक- 30 मार्च 2010 में विहित शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय, साथ ही जिन मदों के लिए बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने के पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय करने के पूर्व शासन/संबंधित अधिकारी की स्वीकृति भी अनिवार्य रूप से प्राप्त कर ली जाय।

व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। मदवार व्यय करते समय मितव्ययता के सम्बंध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों एवं अन्य संगत प्राविधानों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय, तथा वास्तविक व्यय के आधार पर ही आहरण/व्यय किया जाय।

ii) धनराशि उसी-मद में व्यय की जाय जिसके लिए स्वीकृत की जा रही है। व्यय में मितव्ययता के संबंध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जा। स्वीकृत धनराशि के व्यय के विवरण शासन तथा महालेखाकार को नियमित रूप से भेजें।

iii) धनराशि का किसी भी दशा में व्यवर्तन नहीं किया जाय। धनराशि उसी मद में व्यय की जाय जिसके लिए स्वीकृति की जा रही है। व्यय में मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में

निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाय। स्वीकृत धनराशि के व्यय के विवरण शासन तथा महालेखाकार को नियमित रूप से भेजे।

iv) उक्त आवंटित धनराशि की व्यय की संकलित सूचना बी0एम0-13 पर प्रतिमाह अनिवार्य रूप से उपलब्ध करा दी जाय।

V) धनराशि का आहरण बजट की सीमान्तगत ही किया जाय, किसी भी दशा में धनराशि का आहरण बजट व्यवस्था की सीमा से अधिक नहीं किया जाय।

VI इस संबंध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2010-11 में अनुदान संख्या-11 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 2204-खेलकूद तथा युवा सेवायें-00-001 निदेशन तथा प्रशासन-03 खेलकूद निदेशालय के अन्तर्गत 42 अन्य व्यय मद आयोजनेत्तर पक्ष के नामें डाला जायेगा।

यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय पत्र संख्या-173 (NP)/XXVII(3)/2010 दिनांक-29 नवम्बर, 2010 द्वारा प्रदत्त आदेश से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय

(एस0एस0वल्दिया)
उप सचिव

पृष्ठांकन संख्या- 631 /VI-I/2010-21 (1)/2010 तददिनांकित।

प्रतिलिपि :- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, सहारनपुर रोड़, ओबराय बिल्डिंग, देहरादून।
2. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
3. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3, उत्तराखण्ड देहरादून।
4. बजट राजकोषीय संसाधन निदेशालय, देहरादून।
5. एन0आई0सी0, सचिवालय देहरादून।
6. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(एस0एस0वल्दिया)
उप सचिव